— दैनिक समाचार पत्र —

# मुमन पत्रिका

वर्ष: 03 अंक:148 | मूल्य: 2.00 रुपए | सोमवार 01 जून 2026 | पृष्ठ: 4

'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम'

# हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों में राष्ट्र निर्माण का पाठ पढ़ेंगे राजस्थान के 'माय भारत वॉलंटियर्स'

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चयनित वॉलंटियर्स को दी शुभकामनाएं

### सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों, जनजीवन, संस्कृति से होंगे रूबरू

**प्रदेश के 16 हजार युवाओं में से हुआ 15 प्रतिभाशाली स्वयंसेवकों का चयन**

**3 दिन के अनुकूलन के बाद, हिमाचल प्रदेश के 20 सीमावर्ती गांवों में करेंगे प्रवास**

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के तहत चयनित राजस्थान के 'माय भारत स्वयंसेवकों' को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवा और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा यह अनुभव युवाओं में देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और सुदृढ़ करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' में राजस्थान के युवाओं का चयन राज्य के लिए गौरव का विषय है। देशभर से चयनित 100 युवाओं के दल में राजस्थान के 15 प्रतिभाशाली स्वयंसेवक शामिल होकर हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती गांवों में राष्ट्र निर्माण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के वीर जवानों के साथ कार्य करते हुए इन युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों, वहां के जनजीवन, संस्कृति एवं विकास की आवश्यकताओं को निकट से समझने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव उन्हें राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

### प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का करेंगे प्रभावी प्रतिनिधित्व :मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

### प्रदेश को मिलेगा 'माय भारत स्वयंसेवकों' के अनुभव का लाभ

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राजस्थान के ये युवा स्वयंसेवक न केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे, बल्कि राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों का भी प्रभावी प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम से लौटने के बाद वे अपने अनुभवों का उपयोग राज्य में सामाजिक जागरूकता, युवा सहभागिता और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में करेंगे।

मुख्यमंत्री ने सभी चयनित स्वयंसेवकों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है और राजस्थान के युवा इस दिशा में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

### 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज क्विज' में प्रदेश के युवाओं ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

इस कार्यक्रम के लिए युवाओं का चयन एक कड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया है। माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'माय भारत पोर्टल' पर 'विकसित भारत वाइब्रेंट विलेज क्विज' का आयोजन किया गया था। इस राष्ट्रव्यापी क्विज में देश भर से कुल 2.59 लाख युवाओं ने हिस्सा लिया, जिसमें राजस्थान के 16 हजार से अधिक युवाओं ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस कड़ी प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अव्वल रहे राजस्थान के 15 उत्कृष्ट युवाओं को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

### सीमावर्ती गांवों में सीखेंगे सेवा, समर्पण एवं संकल्प का पाठ

'माय भारत स्वयंसेवक' 3 जून से रिकांगपिओ आधार शिविर में शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में 5 जून तक अनुकूलन प्रक्रिया होगी, जिससे युवा वहां की कठिन भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप तैयार हो सकें। इसके बाद 6 से 12 जून तक ये स्वयंसेवक 20 चिन्हित सीमावर्ती गांवों में प्रवास करेंगे, जहां वे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अनुशासन व देश सेवा के जज्बे को करीब से महसूस करने के साथ ही स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद कर वहां की सामाजिक, सांस्कृतिक व विकासात्मक परिस्थितियों को समझेंगे।

---

**पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती समारोह:** अहिल्याबाई होल्कर के आदर्श विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान की नींव

# शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त मातृ शक्ति ही देश और समाज की प्रगति का आधार

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक मूल्यों का हो रहा पुनर्जागरण-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर ने सेवा और न्याय को शासन का आधार बनाया। अहिल्याबाई ने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के साथ ही देशभर में धार्मिक स्थलों के उत्थान के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान की। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त मातृ शक्ति ही देश और समाज की प्रगति का आधार है। उनके आदर्श वर्तमान में विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान की नींव है।

मुख्यमंत्री रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर प्रदेशस्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ मंदिर सहित अनेक तीर्थस्थलों के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही तीर्थराज पुष्कर में भी सरोवर के घाटों का निर्माण करवाया। धर्म और आस्था के साथ ही देवी होल्कर प्रशासनिक कुशलता तथा सैन्य नेतृत्व के लिए भी जानी जाती थीं। सेना में उन्होंने महिला सैन्य टुकड़ी का गठन कर अपनी दूरदृष्टि का परिचय दिया।

### विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू समाज के कल्याण के लिए राज्य सरकार संकल्पित-

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना ही लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही, हमारी सरकार ने बजट में घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू समाज के बच्चों के लिए स्कूल ऑन व्हील्स की घोषणा की है। उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि समाज के छात्र-छात्राओं के लिए जयपुर में छात्रावास निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के कार्यों के अनुरूप ही आज देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारनाथ धाम का पुनर्विकास, महाकाल लोक का

निर्माण तथा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि आज देश विकास और विरासत, आधुनिकता और आस्था को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है।

### प्रदेश में आस्था धामों का हो रहा कायाकल्प-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी प्रदेश के प्रमुख आस्था धामों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मेहंदीपुर बालाजी, खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी, तीर्थराज पुष्कर, तनोट माता, करणी माता, श्रीनाथजी, सांवरिया सेठ तथा गिरिराज धरण, पूंछरी का लौठा सहित विभिन्न आस्था केन्द्रों के विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से

अब तक 91 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थयात्रा कराई जा चुकी है। वहीं, इस वर्ष छह हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से पशुपतिनाथ (नेपाल) तथा 50 हजार वरिष्ठजनों को एसी ट्रेन के माध्यम से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक समाज एवं प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण योगदान है। बघेल समाज ने पशुपालन, कृषि और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान और पशुपालक के हित में निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में पशुपालकों को गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से ऋण सुविधा, उनके पशुधन की सुरक्षा के लिए पशु बीमा योजना तथा उपचार के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट की सुविधा उपलब्ध करवा रही है। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों को प्रति लीटर 5 रुपये का अनुदान भी दिया जा रहा है।

### वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान से जुड़ने का आह्वान-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गंगा दशहरा (25 मई) से वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं मरम्मत के कार्य किए जा रहा हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सभी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि समाज अहिल्या बाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेकर एकजुट रहे और देश-प्रदेश के विकास में योगदान दे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछड़े वर्ग के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, किसानों और पशुपालकों के हित में भी राज्य सरकार की ओर से कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर ने सैकड़ों साल पहले महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने का काम किया। आज युवा ऐसी ही महान विभूतियों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का कार्य करें।

# माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस

ललित गर्ग

**विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा।**

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ल एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ल- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे 'सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

## संपादकीय

### जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है। हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों।

चिंतन-मनन

### संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

# श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है। भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना गलत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। वर्ष 2025 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम-आइए डेयरी की शक्ति का जश्न मनाएं रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पोषण, ग्रामीण आजीविका, आर्थिक विकास और सतत विकास में डेयरी क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित किया गया था। इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में विश्व दुग्ध दिवस की थीम महिला डेयरी किसानों का उत्सव रखी गई है। यह थीम डेयरी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण तथा खाद्य सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह थीम पशुपालन और डेयरी उद्योग में महिला किसानों के अतुलनीय योगदान तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखती है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर डेयरी क्षेत्र की उपलब्धियों के साथ-साथ इसकी चुनौतियों और उनके समाधानों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यद्यपि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, फिर भी इस क्षेत्र के समक्ष अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

# जहरीली शराब का जहरः मौत का कारोबार कब रुकेगा?

कांतिलाल मांडोत

हर साल छिनती हैं सैकड़ों जिंदगियां, अब अवैध शराब के पूरे नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई जरूरी...

महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई 15 लोगों की मौत ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि भारत में बार-बार सामने आने वाली उस भयावह समस्या का नया अध्याय है जिसमें सस्ती और अवैध शराब गरीब तथा निम्न आय वर्ग के लोगों की जान ले लेती है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की पहचान कर ली गई है और उसकी कमर तोड़ने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे। यह बयान स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों होती हैं और इन्हें रोकने के लिए स्थायी समाधान कब निकलेगा?*

जहरीली शराब का खतरा नया नहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं। अवैध शराब बनाने वाले लोग अधिक मुनाफे के लालच में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले रसायनों का उपयोग करते हैं। यह पदार्थ मानव शरीर के लिए अत्यंत घातक होता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है, गुर्दे और यकृत प्रभावित हो सकते हैं तथा कुछ ही घंटों में व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसके बावजूद अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है सस्ती शराब की मांग, प्रशासनिक निगरानी की कमी और अपराधियों का संगठित नेटवर्क। पुणे की घटना में प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अवैध स्पिरिट युक्त शराब तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में बेची गई थी। जिन लोगों ने इसे खरीदा, उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि वे शराब नहीं बल्कि मौत का जहर पी रहे हैं। गरीब और मेहनतकश वर्ग अक्सर कम कीमत के कारण ऐसी शराब की ओर आकर्षित हो जाते हैं। यही वर्ग सबसे अधिक नुकसान भी उठाता है। परिवार का कमाने वाला सदस्य जब इस तरह की दुर्घटना का शिकार होता है तो उसके पीछे पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक और सामाजिक संकट में फंस जाते हैं।

यदि देश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का इतिहास देखा जाए तो सबसे अधिक चर्चा बिहार की होती है। बिहार में वर्ष 2016 से पूर्ण शराबबंदी लागू है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से मुक्त करना था, लेकिन इसके बाद अवैध शराब के कारोबार और जहरीली शराब से होने वाली मौतों की कई बड़ी घटनाएं सामने आईं। वर्ष 2016 में गोपालगंज में जहरीली शराब पीने से लगभग 19 लोगों की मौत हुई थी। वर्ष 2021 में पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब ने करीब 16 लोगों की जान ले ली। वर्ष 2022 बिहार के लिए सबसे भयावह साबित हुआ। मार्च 2022 में भागलपुर जिले में जहरीली शराब से 40 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। इसी वर्ष दिसंबर में सारण जिले में हुई त्रासदी ने पूरे देश को हिला दिया, जहां 70 से अधिक लोगों की जान चली गई। वर्ष 2023 में भी मोतिहारी और सीवान सहित कई क्षेत्रों में जहरीली शराब से अनेक लोगों की मौत दर्ज की गई। वर्ष 2024 और 2025 में भी छिटपुट घटनाएं सामने आती रहीं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार में जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हालांकि यह समस्या केवल बिहार तक सीमित नहीं है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी समय-समय पर ऐसी घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2022 में गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से 40 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर हुई एक घटना में लगभग 100 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब का कारोबार पूरे देश के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर बड़ी घटना के बाद प्रशासन सक्रिय होता है, छापेमारी होती है, गिरफ्तारियां होती हैं और कठोर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इसका कारण यह है कि समस्या की जड़ तक पहुंचने के बजाय केवल तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया जाता है। अवैध शराब का नेटवर्क गांवों, कस्बों और शहरों तक फैला हुआ है। इसमें शराब बनाने वाले, आपूर्ति करने वाले, बेचने वाले और कई बार संरक्षण देने वाले लोग भी शामिल होते हैं। जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं रुकना कठिन है।

सरकारों को यह समझना होगा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है। पुलिस, आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। जहां अवैध शराब बनने या बिकने की आशंका हो, वहां नियमित निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। आधुनिक तकनीक का उपयोग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। साथ ही दोषियों को त्वरित और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि दूसरों के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश बने।

इसके साथ ही सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि कुछ रुपये बचाने के लिए खरीदी गई अवैध शराब उनकी जान ले सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी झुग्गी बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी इस अभियान में शामिल किया जा सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू नशामुक्ति का है। शराब की लत केवल कानून से समाप्त नहीं होती। इसके लिए परामर्श, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग की आवश्यकता होती है। यदि सरकारें नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करें और लोगों को उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराएं तो शराब पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे अवैध शराब की मांग भी घटेगी।

महाराष्ट्र की ताजा घटना ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जहरीली शराब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए यह केवल एक समाचार नहीं बल्कि जीवन भर का दुख है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल मुआवजा देने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

जहरीली शराब वास्तव में जानलेवा है। यह धीरे-धीरे नहीं, बल्कि कई बार कुछ घंटों में ही जीवन समाप्त कर देती है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र की घटना से सबक लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यापक रणनीति बनानी चाहिए जो अवैध शराब के उत्पादन, वितरण और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा सके। जब तक अपराधियों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा और समाज में जागरूकता नहीं बढ़ेगी, तब तक निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। अब समय आ गया है कि इस मौत के कारोबार पर स्थायी और निर्णायक प्रहार किया जाए, ताकि किसी परिवार का चिराग जहरीली शराब की भेंट न चढ़े।

## विधानसभा के गेटों के नामकरण किये जाने वाले नवाचार की मेघवाल ने प्रशंसा की

# विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की मुलाकात

### देवनानी ने मेघवाल को विधानसभा का प्रतीक चिन्ह भेंट किया

### देवनानी की मेघवाल से विभिन्न विषयों पर चर्चा

**जयपुर।**

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय विधि एवं न्याय,संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल की यहां सिविल लाइन स्थित राजकीय निवास पर मुलाकात हुई। श्री मेघवाल रविवार को अजमेर जाते वक्त जयपुर एयरपोर्ट से देवनानी के आवास पर पहुंचे।

स्पीकर देवनानी ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर और शाल ओढ़ाकर अभिवादन किया।देवनानी ने मेघवाल को राजस्थान विधानसभा का प्रतीक चिन्ह स्मृति स्वरूप भेंट किया।देवनानी ने मेघवाल को अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर उनके जीवन पर आधारित पुस्तक की प्रति भेंट की।

### विधानसभा का प्रतीक चिन्ह जन मानस की सोच का प्रतिनिधित्व

अर्जुन राम मेघवाल ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की पहल की सराहना करते हुए विधानसभा के लोगो को राजस्थान के जन मानस की सोच का प्रतिनिधित्व बताया।उन्होंने प्रतीक चिन्ह में सम्मिलित राज्य वृक्ष खेजड़ी और विधान सभा भवन की छवियों की चर्चा करते हुए कहा कि यह राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी उत्सवधर्मिता से जीवन जीने वाले लोगों की जीवटता को दर्शाता है। ऊंट और गोडावन का समावेश समन्वय की संस्कृति का द?योतक है। 'राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका राजस्थान विधान सभा द्वारा की जाने वाली जनसेवा और संवैधानिक मर्यादा का आत्म मंत्र है।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति कर्तव्यों में ही होती है।

### मेघवाल ने देवनानी के नवाचारों की सराहना की

मेघवाल ने स्पीकर देवनानी के विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण को ऐतिहासिक और मूल्यपरक निर्णय बताते हुए कहा कि द्वारों के नाम लोकतंत्र के मूल आदर्शों के प्रतीक हैं। इन ?द्वारों से प्रवेश करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह अनुभव करेगा कि वह केवल एक भवन में नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक संस्कारों के पवित्र केंद्र में प्रवेश कर रहा है। मेघवाल ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न भवनो के नामकरण करने की तर्ज पर देवनानी ने विधानसभा के द्वारों को कर्तव्य द्वार,शक्ति द्वार,सुशासन ?द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार नाम देकर ऐतिहासिक कार्य किया है। मेघवाल ने विधान सभा भवन के बाहरी ?द्वारों को राजस्थान के अंचलो बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा और ढूंढाड़ के नाम समर्पित कर, राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता, विरासत और लोकपरंपराओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ने का अभिनव प्रयास बताया। देवनानी की मेघवाल से संसदीय कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर देश की न्याय व्यवस्था,विधिक सुधारों, संवैधानिक विषयों तथा विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई।कानून के प्रभावी क्रियान्वयन,सुशासन एवं जनहित से जुड़े विषयों पर भी बातचीत हुई।

## उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रतिभाशाली युवाओं का किया सम्मान

**मुमन पत्रिका@ अशफाक अहमद**

**जयपुर।** उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुर में श्री खंडेलवाल वैश्य एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में युवा शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान न केवल उनके परिश्रम और उपलब्धियों को नई पहचान देता है, बल्कि अन्य युवाओं को भी उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करता है।

कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जिला न्यायाधीश अनिल कुमार, आर.सी. गुप्ता, एस.एन. गुप्ता, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश चंद गुप्ता, संरक्षक सोहनलाल ताम्बी, कृष्ण मोहन, गोविंद शरण धामाणी, मुरारी लाल गुप्ता, विष्णु प्रसाद महरवाल, पंकज कट्टा, प्रिंसिपल अंजु गुप्ता, समाजसेवी सत्यनारायण, राजेश ताम्बी सहित अभिभावक, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों से पेयजल प्रबंधन में बड़ा सुधार

# छह विशेष अभियानों में 15,995 शिकायतों का समाधान,हजारों परिवारों को मिली राहत

**जयपुर।**

प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच आमजन को निर्बाध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) द्वारा संचालित छह विशेष राज्यव्यापी अभियानों के माध्यम से अब तक 15,995 पेयजल संबंधी शिकायतों एवं समस्याओं का सफलतापूर्वक समाधान किया गया है।

### जन राहत का प्रभावी माध्यम बने विशेष अभियान

प्रदेशभर में संचालित अभियानों के दौरान 3,077 हैंडपंपों की मरम्मत, 1,644 पाइपलाइन लीकेज की दुरुस्ती, 978 प्रेशर संबंधी समस्याओं का समाधान तथा 1,144 बाधित जलापूर्ति क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बहाल की गई। इसके अतिरिक्त 230 कम अवधि वाली जलापूर्ति, 544 कम सप्लाई एवं 121 प्रदूषित जल संबंधी शिकायतों का भी निस्तारण किया गया। विभाग ने 1,401 अवैध जल कनेक्शन हटाने के साथ 6,827 अन्य पेयजल सुधार कार्य भी पूर्ण किए हैं।

### विशेष टीमों ने मौके पर किया त्वरित समाधान

अभियान के तहत गठित विशेष टीमों ने शनिवार को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों, पाइपलाइन नेटवर्क और जलापूर्ति व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया। छठे विशेष अभियान में 639 खराब हैंडपंपों को पुनः चालू किया गया, 455 पाइपलाइन लीकेज ठीक किए गए तथा 220 प्रेशर संबंधी शिकायतों का समाधान किया गया। साथ ही 242 क्षेत्रों में बाधित जलापूर्ति बहाल कर आमजन को राहत पहुंचाई गई।

### 3,077 हैंडपंप और 1,644 पाइपलाइन लीकेज दुरुस्त

### अप्रैल से जारी अभियान दे रहे हैं सकारात्मक परिणाम

5 अप्रैल से 23 मई तक संचालित पांच विशेष अभियानों के दौरान 2,438 हैंडपंपों की मरम्मत, 1,189 पाइपलाइन लीकेज की दुरुस्ती, 758 प्रेशर समस्याओं का समाधान, 902 जलापूर्ति बाधित मामलों का निस्तारण, 180 कम अवधि वाली जलापूर्ति, 416 कम सप्लाई, 95 प्रदूषित जल संबंधी शिकायतों का समाधान तथा 6,277 अन्य सुधार कार्य किए गए। इसी अवधि में 1,065 अवैध जल कनेक्शन भी हटाए गए।

### अवैध जल कनेक्शनों पर सख्त कार्रवाई

जल संरक्षण और संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए विभाग ने अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। छठे अभियान के दौरान 336 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए, जिनमें होटल, ढाबे, सरस डेयरी बूथ तथा कृषि कार्यों में उपयोग किए जा रहे कनेक्शन शामिल थे। इस कार्रवाई से पेयजल की बर्बादी रोकने और आमजन के लिए जल उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिली है।

### ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत हुई जलापूर्ति व्यवस्था

ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों एवं पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत के साथ 550 अन्य पेयजल सुधार कार्य भी पूर्ण किए गए। इन प्रयासों से हजारों ग्रामीण परिवारों को राहत मिली है तथा जलापूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई है।

### 2,600 शिकायतों का मौके पर समाधान

पीएचईडी की तकनीकी टीमों ने अभियान के दौरान प्राप्त लगभग 2,600 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर आमजन को तत्काल राहत प्रदान की। विभाग की सक्रियता से पेयजल सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर संचालित यह विशेष अभियान संभावित पेयजल संकट को कम करने में अत्यंत प्रभावी साबित हो रहे है। राज्य सरकार का लक्ष्य गर्मी के मौसम में प्रदेश के प्रत्येक गांव और प्रत्येक शहर तक पर्याप्त, नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।

### हर गांव और हर शहर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर संचालित यह विशेष अभियान संभावित पेयजल संकट को कम करने में अत्यंत प्रभावी साबित हो रहे है। राज्य सरकार का लक्ष्य गर्मी के मौसम में प्रदेश के प्रत्येक गांव और प्रत्येक शहर तक पर्याप्त, नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।

## संदिग्धावस्था में विवाहिता की मौत,परिजनों ने दहेज हत्या का करवाया मामला दर्ज

**मुमन पत्रिका**

**सवाई माधोपुर।** जिले की कोतवाली थाना क्षेत्र के लक्ष्मी विहार कॉलोनी खेरदा में एक विवाहिता के संदिग्ध अवस्था में मौत का मामला सामने आया। सूत्रों के अनुसार विवाहिता ने फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर की जिसके बाद ससुराल वालो ने नेहा को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने महिला नेहा को मृत घोषित कर दिया। जहां महिला थाना पुलिस ने शव का पोस्मार्टम करवाकर शव पीहर पक्ष के लोगों के सुपुर्द कर दिया।

मामले को मृतका के पीहर पक्ष के लोगों ने महिला थाने में ससूराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना को लेकर मृतका की बुआ के बेटे ने बताया कि 22 अप्रैल 2023 को नेहा उर्फ बीरा नायक निवासी खण्डेवत जिला टोंक की शादी लक्ष्मी विहार कॉलोनी खेरदा निवासी संजय नायक पुत्र ओम नायक से हुई थी। शादी में पीहर पक्ष के लोगों ने हैसीयत के अनुसार जरुरत का सभी सामान दहेज में दिया था।परिजन ने बताया कि शादी के लगभग सालभर बाद उसके एक बेटी हुई। इसके बाद से पति फोन कर दहेज में स्पलेण्डर बाइक व शिफ्ट कार मांग करने लगा तथा नेहा पर दहेज लाने के लिए दबाव बनाने लगा। परिजनों के अनुसार विवाहिता के पिता का 2005 में ही देहांत हो चुका है तथा मां, छोटा भाई तथा तीन बहने ननिहाल में रहकर जीवन यापन करते हैं। दहेज नहीं मिलने पर नेहा का पति तलाक मांगने लगा तो विवाहिता के पीहर पक्ष के लोग तलाक देने के लिए भी राजी हो गए, लेकिन पति ने कोई कार्रवाई नहीं की। पीहर पक्ष के लोगों ने बताया कि 30 मई 2026 की रात को विवाहिता ने भाई को फोन कर अपने साथ ले जाने की बात कही। इस पर भाई ने सुबह लेने आने का भरोसा दिया। इसके बाद दूसरे दिन सुबह 31 मई 2026 को नेहा के ससूर ने विवाहिता के ताऊ को फोन किया कि नेहा की तबियत खराब है, आप जिला अस्पताल आ जाओ। पीहर पक्ष के लोग जिला अस्पताल पहुंचे तो वहां नेहा का शव पड़ा था। जिसके बाद पीहर पक्ष के लोगों ने महिला थाने में मृतका के पति, ससूर, सास, ननद, देवर के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। महिला थानाधिकारी भोजाराम का कहना है कि आज खैरदा में एक महिला के मौत का मामला सामने आया हे।थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के भाई संजय की रिपोर्ट पर ससूराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ दहेह हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है । शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव मृतका के पीहर पक्ष के सुपुर्द कर दी है । थानाधिकारी ने कहा कि महिला की मौत किन कारणों से हुई हे इसकी जानकारी पोस्मार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही लग सकेगी।फिलहाल पुलिस मामले को लेकर जांच में जुटी है।

## गंगापुर सिटी रेलवे अस्पताल में 90 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र शुरूकोटा मंडल की कुल सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 4.542 मेगावाट हुई

**मुमन पत्रिका@ सलीम खान**

**गंगापुर सिटी/कोटा।** पश्चिम मध्य रेलवे का कोटा मंडल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में गंगापुर सिटी स्थित रेलवे अस्पताल में 90 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सफलतापूर्वक शुरू कर दिया गया है। इस नई उपलब्धि के साथ कोटा मंडल की कुल स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 4.542 मेगावाट हो गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि रेलवे अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्थान में सौर ऊर्जा के उपयोग से विद्युत व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी सहायता मिलेगी।

उन्होंने बताया कि मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों एवं अन्य परिसंपत्तियों पर चरणबद्ध तरीके से सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। भारतीय रेल वर्ष 2030 तक 'नेट जीरो कार्बन एमिशन' का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है और कोटा मंडल इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में सक्रिय योगदान दे रहा है। मंडल में स्थापित 4.542 मेगावाट सौर क्षमता ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

# अल्लापुर में पेयजल संकट गहराया, महिलाओं ने निकाली खाली बर्तनों की 'शव यात्रा'

**मुमन पत्रिका मनराज गुर्जर**

**सवाई माधोपुर खंडार।** उपखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत अल्लापुर में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत की गई पेयजल व्यवस्था ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। गांव के विभिन्न मोहल्लों में लंबे समय से जल संकट बना हुआ है। समस्या से परेशान महिलाओं ने खाली बर्तनों की प्रतीकात्मक 'शव यात्रा' निकालकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि गांव में नल कनेक्शन होने के बावजूद नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। ममता देवी, घोटा देवी, बसंती देवी, फूला देवी और रेखा देवी सहित सैकड़ों महिलाएं प्रतिदिन करीब एक किलोमीटर दूर स्थित हैंडपंपों और कुओं से पीने का पानी लाने को मजबूर हैं। महिलाओं ने बताया कि वे स्टील के घड़ों को उल्टी चारपाई पर रखकर सामूहिक रूप से पानी ढोती हैं, जिसे उन्होंने जल संकट की 'शव यात्रा' का नाम दिया है। ग्रामीण महिलाओं सविता राय, रामपति, अनिता, संतरा, कलावती देवी, कृष्णा देवी और चेतना देवी ने बताया कि हरिजन मोहल्ला, राय मोहल्ला, कोली मोहल्ला, माली मोहल्ला और गुर्जर मोहल्ला सहित कई क्षेत्रों के करीब 350 परिवार पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। कुछ मोहल्लों में पिछले पांच महीनों से नल जलापूर्ति बंद पड़ी है, जबकि कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछने के बाद भी आज तक पानी नहीं पहुंचा। ग्रामीण रामसिंह, बद्रीलाल, राजेंद्र, बबलू हरिजन, जीतू हरिजन और हीरा माली ने बताया कि कई घरों में अब तक नल कनेक्शन नहीं किए गए हैं। वहीं जहां कनेक्शन दिए गए हैं, वहां भी नियमित सप्लाई नहीं हो रही। ग्रामीणों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत गांव में करीब 78.93 लाख रुपये की लागत से पानी की टंकी का निर्माण कराया गया तथा 350 से अधिक नल कनेक्शन दिए गए। इसके बावजूद अधिकांश घरों तक नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं पहुंच पा रही है।

### एईएन पर लगाए उपेक्षा के आरोप

ग्रामीणों ने पीएचईडी के एईएन हरिकेश मीना पर फोन नहीं उठाने और समस्या की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर जल्द पेयजल व्यवस्था सुचारु करवाने की मांग की है।

### अधिकारी बोले

'मैंने जेईएन को अल्लापुर में मोटर लगाने के निर्देश दे दिए हैं। जल्द ही पेयजल सप्लाई सुचारु कर दी जाएगी।

## साइबर थाना की बड़ी कार्रवाई, शेयर मार्केट ट्रेडिंग के नाम पर ठगे गए करीब एक लाख रुपए लौटाए

**मुमन पत्रिका@ अशफाक अब्बासी**

**सवाई माधोपुर।** जिला पुलिस की साइबर थाना टीम ने फर्जी टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से शेयर मार्केट ट्रेडिंग (इन्वेस्टमेंट) के नाम पर हुई ऑनलाइन ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए परिवादी को 99 हजार 947 रुपए की राशि वापस रिफंड करवाई है।

पुलिस अधीक्षक ज्यैष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीना, पुलिस उपाधीक्षक उदयसिंह मीना एवं साइबर क्राइम थाना उप पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश अटल के सुपरविजन में साइबर थाना टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार परिवादी आसिफ शेख निवासी पुराना शहर, सवाई माधोपुर ने 5 मार्च 2026 को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करवाई थी कि अज्ञात ठगों ने शेयर मार्केट ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर उसके खाते से 99 हजार 947 रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। शिकायत पर साइबर क्राइम थाना सवाई माधोपुर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न बैंकों के नोडल अधिकारियों से संपर्क कर संदिग्ध खातों में गई राशि को होल्ड करवाया और पूरी राशि परिवादी के एचडीएफसी बैंक खाते में रिफंड करवा दी। मामले में आरोपी मनराज मीना निवासी गंभीरा थाना कोतवाली सवाई माधोपुर का नाम सामने आया है। कार्रवाई में साइबर थाना के उप निरीक्षक धर्मेन्द्र चौधरी, उप निरीक्षक फैयाज खान एवं कांस्टेबल महेश की विशेष भूमिका रही।

# टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना सख्त, जिले में विभिन्न कार्रवाई से अपराधियों में मची खलबली

मुमन पत्रिका@ विनोद साँखला

**टोंक ।** टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशानुसार जिले में चार बड़ी कार्रवाईया से अपराधियों में खलबली मची हुई है ।

पहली कार्रवाई थाना नगरफोर्ट :- पुलिस अधीक्षक टोंक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव , सीओ उनियारा आकांशा के सुपरविजन में थाना नगरफोर्ट एसएचओ बाबूलाल मीणा सीआई के नेतृत्व में अवैध हथियारों की धरपकड के तहत लगातार कार्यवाही जारी। सोशल मीडिया पर प्रसारित हर्ष फायरिंग विडियो के सम्बन्ध में घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस थाना नगरफोर्ट द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आर्म्स एक्ट में एक अवैध टोंपीदार एक नाली बन्दूक तथा फांयरिंग में प्रयुक्त उपकरण गन पाउण्डर बारुद, छर्रे व पोटाश को जप्त कर तीन आरोपी मोहन मोग्या, मोरपाल मीणा , रमेश मीणा को गिरफ्तार किया है ।

### दूसरी कार्रवाई डीएसटी मालपुरा व पुलिस थाना लाम्बाहरिसिंह

पुलिस अधीक्षक टोंक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी मालपुरा पुष्पेंद्र सिंह सोलंकी एवं सीओ मालपुरा आशीष प्रजापत के निकटतम सुपरविजन में एसएचओ लाम्बाहरिसिंह रविश सामरिया सीआई के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा भैंस चोरी प्रकरण में पूर्व में 4 आरोपी को गिरफ्तार कर दो पिकअप वाहन एवं 1,42,00/ नगद राशि बरामद की गई थी । उसके बाद अनुसंधान के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर घटना

में शामिल दो अन्य आरोपियों की पहचान कर रामलाल बागरिया व कजोड बागरिया को गिरफ्तार किया है । गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं अनुसंधान के फलस्वरूप भैंसों की बिक्री से प्राप्त ?1,00,000/- नकद राशि बरामद की गई। अब तक कुल बरामदगी रू 2,42,000/- नकद राशि व कुल 06 आरोपी गिरफ्तार किये गये है ।

### तीसरी कार्रवाई थाना बरोनी :-

पुलिस अधीक्षक टोंक रोशन मीना के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव व सीओ पीपलू रामअवतार के निकटतम सुपरविजन में एसएचओ थाना बरोनी आरपीएस प्रो. कुसुम मीना के नेतृत्व में 29 मई को गठित टीम द्वारा अवैध बजरी खनन / परिवहन के विरूद्ध टोंक पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये दौराने गश्त ईलाका थाना बरोनी में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये 02 ट्रैक्टर ट्रौली मय कुल 16 टन अवैध बजरी जप्त की गयी।

### चौथी कार्रवाई थाना पीपलू

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार एएसपी रतनलाल भार्गव व सीओ पीपलू रामअवतार के निकटतम सुपरविजन में एसएचओ राजकुमार सीआई के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध बजरी खनन / परिवहन के विरूद्ध टोंक पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये दौराने गश्त मांसी नदी रास्तें पर थाना ईलाका पीपलू में अवैध रूप से बजरी परिवहन करते हुये 01 ट्रैक्टर ट्रौली मय 06 टन अवैध बजरी जप्त की गयी।

# मन की बात से मिलता है हर बार नया सीखने का अवसर : दिया कुमारी

मुमन पत्रिका@ अनीस अहमद

**जयपुर।** उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को सिविल लाइंस कार्यालय में कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें संस्करण का श्रवण किया। इस अवसर पर पूर्व वार्ड प्रत्याशी शाहनवाज अंसारी भी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत 'मन की बात' कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला प्रेरणादायी मंच है। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा, नवाचार, आत्मनिर्भरता, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण से जुड़े अनेक प्रेरक विचार साझा किए, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को देशहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

दिया कुमारी ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी 'मन की बात' से कुछ नया सीखने को मिला। कार्यक्रम के माध्यम से नई जानकारियां प्राप्त होती हैं और नवाचारों से प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान देशभर में चल रहे प्रेरणादायी प्रयासों, नवाचारों और जनभागीदारी की कहानियों को भी साझा किया गया।

# क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत अवैध क्लीनिकों एवं लैबों का औचक निरीक्षण

### पंजीकरण एवं आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने पर जारी किए नोटिस

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

**सवाई माधोपुर ।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट-2010 के तहत जिला मुख्यालय स्थित सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर के सामने संचालित निजी क्लीनिकों एवं डायग्नोस्टिक लैबों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर्स पर चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित होती पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ सरकारी चिकित्सक मेडिकल स्टोर्स पर प्रैक्टिस करते हुए मिले, जबकि अन्य जिलों से आने वाले निजी चिकित्सक भी निर्धारित दिनों में मरीजों को परामर्श देते पाए गए। निरीक्षण टीम द्वारा संबंधित संचालकों से क्लिनिक पंजीकरण प्रमाण पत्र, चिकित्सकीय योग्यता, मेडिकल बायो वेस्ट एग्रीमेंट, प्रदूषण प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

डॉ. जैमिनी ने बताया कि मौके पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित क्लीनिक संचालकों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी कर नियमानुसार पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बंद पाई गई लैबों एवं क्लीनिकों की शटर पर भी नोटिस चस्पा किए गए।

कार्यवाही में केस ऑफिसर एवं डीपीसी (पीसीपीएनडीटी) आशीष गौतम सहित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की टीम मौजूद रही।

# अग्रवाल समाज ने नव मनोनीत पदाधिकारियों का किया सम्मान

मुमन पत्रिका@ सुदर्शन गुप्ता

**सवाई माधोपुर।** अग्रवाल समाज मानटाउन की चारों इकाइयों शहर सवाई माधोपुर, हाउसिंग बोर्ड, मंडी रोड एवं मानटाउन द्वारा अग्रसेन सदन बजरिया में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत होने पर अशोक गर्ग एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर राजेश गोयल चक्की वाले का माला, साफा एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री गोविंद गोयल ने कहा कि समाज द्वारा दोनों पदाधिकारियों को हर सामाजिक कार्य में पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने राजेश गोयल से शहर में खेल स्टेडियम स्वीकृत कराने की मांग भी रखी। अशोक गर्ग ने समाज को संगठित करने एवं समाज विकास के लिए प्रभावी योजनाएं बनाने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता सुदर्शन गुप्ता, कर्मचारी परिषद जिला अध्यक्ष विष्णु गुप्ता, युवा संगठन अध्यक्ष श्रेयांश जैन, महामंत्री अशोक, मंडी रोड अध्यक्ष रामगोपाल, हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र टेंट वाले सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

# मिट्टी-रेत परिवहन में अवैध वसूली का खेल उजागर, यातायात प्रभारी दबोचा

मुमन पत्रिका@ असपाक अब्बासी

**बारां/जयपुर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बारां के यातायात प्रभारी एवं उप निरीक्षक चन्द्रप्रकाश को 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। कार्रवाई एसीबी बारां द्वारा एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई।

जानकारी के अनुसार परिवादी ने एसीबी को शिकायत देकर बताया था कि आरोपी उप निरीक्षक ने उसके ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़कर 27 हजार रुपये वसूल किए थे तथा मिट्टी-रेत से भरे ट्रैक्टर का निर्बाध संचालन करवाने के बदले प्रतिमाह 10 हजार रुपये की बंदी की मांग कर रहा था। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा 7 हजार रुपये रिश्वत मांगना सही पाया गया। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। एसीबी कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालू राम वर्मा के नेतृत्व में उप अधीक्षक पुलिस प्रेमचन्द एवं टीम ने आरोपी को परिवादी से 7 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया।

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

# विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर कुश्तला में जागरूकता शिविर आयोजित

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

**सवाई माधोपुर।** विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष (राजकीय आयुर्वेद औषधालय) कुश्तला में स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. विजय शंकर बैरवा ने की।

शिविर में ग्रामीणों एवं युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए तम्बाकू मुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। डॉ. बैरवा ने कहा कि तम्बाकू एक धीमा जहर है, जिससे कैंसर, हृदय रोग और श्वास संबंधी गंभीर बीमारियां होती हैं। उन्होंने बताया कि तम्बाकू छोड़ने के बाद शरीर में तेजी से सकारात्मक सुधार होने लगते हैं।

इस दौरान तम्बाकू मुक्ति के लिए योग, प्राणायाम, सात्विक भोजन तथा आयुर्वेदिक उपाय अपनाने की सलाह दी गई। शिविर में उपस्थित लोगों ने कुश्तला क्षेत्र को तम्बाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया। साथ ही मरीजों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां भी वितरित की गईं।

# धार्मिक शिक्षण शिविर में बच्चों ने सीखी पूजन विधि

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

**सवाई माधोपुर।** सकल दिगंबर जैन समाज एवं श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के सहयोग से जैन मोहल्ला स्थित निर्यापक मुनि सुधासागर संयम भवन में संचालित धार्मिक शिक्षण शिविर में रविवार को बच्चों को जिनेंद्र भगवान की पूजन विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रवक्ता प्रवीण जैन ने बताया कि शिविर का उद्देश्य नई पीढ़ी को जैन संस्कृति, धार्मिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ना है। शिविर में बच्चों को अष्ट द्रव्यों का महत्व, मंत्रोच्चार की शुद्धता तथा श्रद्धा एवं विनम्रता के साथ पूजा करने की विधि सिखाई गई। क्षेत्रीय प्रभारी पं. अंकित जैन शास्त्री ने कहा कि जिनेंद्र भगवान की पूजा आत्मशुद्धि, संयम और सदाचार का माध्यम है। शिविर में बच्चों ने पूजन की विभिन्न प्रक्रियाओं का अभ्यास किया तथा मंत्रों का उच्चारण भी सीखा। इस अवसर पर डॉ. मनीष छाबड़ा, तरूण बज, अरुण गोधा, एकता छाबड़ा एवं वर्षा जैन श्रीमाल सहित समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

# चलती बाइक में लगी आग, युवक व किशोर बाल-बाल बचे

मुमन पत्रिका

**धौलपुर।** जिले के बसई नवाब कस्बे में रविवार को पुलिस चौकी के पास चलती बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बाइक धू-धूकर जलने लगी। हादसे में बाइक सवार युवक और एक किशोर बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार भूरापुरा निवासी परषोत्तम लोधा अपने साढ़ू के 14 वर्षीय पुत्र केशव के साथ खेरागढ़ से घरेलू सामान खरीदकर लौट रहा था। रास्ते में बाइक से अचानक धुआं निकलने लगा और कुछ ही देर में आग लग गई। दोनों ने तुरंत बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई।

सूचना पर पुलिस चौकी से कांस्टेबल रामरतन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी और लंबी दूरी तय करने के कारण बाइक में आग लगी।

# नागदा महादेव मंदिर में चोरी, दानपेटियां तोड़ नकदी ले गए चोर

मुमन पत्रिका

**अंता/बारां।** अंता क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध नागदा महादेव मंदिर में शनिवार रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर की चार दानपेटियों के ताले तोड़कर नकदी चोरी कर ले गए। साथ ही तांबे के कलश और सीसीटीवी कैमरे भी अपने साथ ले गए। मंदिर समिति अध्यक्ष प्रताप सिंह नागदा ने बताया कि चोर मंदिर के पिछवाड़े की कुंदी तोड़कर अंदर घुसे और पांच में से चार दानपेटियों को तोड़ दिया। घटना के बाद मंदिर समिति में रोष व्याप्त है। नागदा महादेव मंदिर क्षेत्र का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

# धार्मिक एवं नैतिक संस्कार शिविर का हुआ समापन

मुमन पत्रिका@ नईम अख्तर

**सवाई माधोपुर ।** चौथ का बरवाड़ा कस्बे स्थित जैन स्थानक भवन में श्री जैन रत्न युवक परिषद एवं स्थानीय संघ के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन धार्मिक एवं नैतिक संस्कार शिविर का रविवार को समापन हुआ। शिविर संयोजक नीरज कुमार जैन ने बताया कि शिविर का आयोजन 21 मई से 31 मई तक किया गया। शिविर में बालकों के व्यक्तित्व एवं आध्यात्मिक विकास के लिए प्रभु भक्ति, योग एवं प्राणायाम जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। इसके साथ ही बालकों को सामायिक, प्रतिक्रमण, भक्तामर, पांच समिति, तीन गुप्ति का थोकड़ा, 25 बोल एवं 67 बोल सहित कई उपयोगी सूत्रों का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि 27 मई को 'व्यसन मुक्त भारत' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें संयम जैन प्रथम, यशस्वी जैन द्वितीय एवं दिव्यांश जैन तृतीय स्थान पर रहे। शिविर के दौरान बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। समापन समारोह में प्रतिभागी बालकों को संघ की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर सार्थक जैन, प्रणय एवं अवधी ने शिविर के अनुभव साझा किए। शिविर में ममता जैन, नविता जैन, नीतू जैन एवं नीरज जैन ने अध्यापन कार्य किया। समारोह में संघ अध्यक्ष धर्मचंद मोदी, मंत्री पारस जैन, शुभकरण, वीरेंद्र, नवरत्न जैन, रामप्रसाद, महावीर प्रसाद, जितेंद्र, दिनेश सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत आज मलारना चौड़ में जिला स्तरीय कार्यक्रम

मुमन पत्रिका@ राशिद खान

**सवाई माधोपुर / मलारना डूंगर।** वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत रविवार को मलारना डूंगर पंचायत समिति की मलारना चौड़ ग्राम पंचायत स्थित दुर्गा सागर तालाब पर कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 7 बजे से शुरू होगा।

संयुक्त निदेशक कृषि लखपत लाल मीणा ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा, जल एवं पीपल पूजन, पौधारोपण, श्रमदान, कृषक संगोष्ठी तथा कृषि नवाचार प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाएगा।

कृषक संगोष्ठी में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के विशेषज्ञ किसानों को प्राकृतिक खेती, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण, जल प्रबंधन एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी देंगे। वहीं विभिन्न कृषि कल्याणकारी योजनाओं एवं कृषि नवाचारों से भी कृषकों को अवगत कराया जाएगा।

# निरंकारी बाल समागम में बच्चों ने दी प्रेरणादायक प्रस्तुतियां

मुमन पत्रिका

**सवाई माधोपुर।** आलनपुर सर्किल स्थित चन्दन मैरिज गार्डन में रविवार को निरंकारी ज़ोन स्तरीय बाल समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पलवल (हरियाणा) से पधारे सन्त डॉ. कमल सिंह जी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। सन्त डॉ. कमल सिंह जी ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही अच्छे संस्कार और मानवता के गुण विकसित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मजबूत नींव से ही मकान मजबूत बनता है, उसी प्रकार अच्छे संस्कार बच्चों को श्रेष्ठ नागरिक बनाते हैं। समागम में कोटा, बूंदी, टोंक, झालावाड़ और सवाई माधोपुर सहित विभिन्न शाखाओं के बच्चों ने हिंदी, अंग्रेजी, सिंधी, पंजाबी व राजस्थानी भाषाओं में गीत, कविता, नाटक, कव्वाली एवं कवि दरबार की प्रस्तुतियां दीं। बूंदी के बच्चों ने आध्यात्मिक गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की, वहीं कोटा व देवली के बच्चों ने नाटकों के माध्यम से बड़ों का सम्मान एवं अच्छे कर्मों का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में ज़ोनल इंचार्ज सन्त बृजराज सिंह जी ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

# क्रैक ट्रेन परिचालन से माल परिवहन में आया नया बदलाव

### व्यापार जगत को मिलेगा लाभ

मुमन पत्रिका

**कोटा।** पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने माल परिवहन को तेज और अधिक दक्ष बनाने की दिशा में 'क्रैक ट्रेन' परिचालन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। माह के दौरान मंडल में 973 क्रैक ट्रेनों का सफल संचालन किया गया, जो प्रतिदिन औसतन 33 ट्रेनों के संचालन के बराबर है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि क्रैक ट्रेन प्रणाली से मालगाड़ियों को अनावश्यक ठहराव से बचाकर तेजी से गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। इससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ माल ढुलाई की गति में भी सुधार हुआ है।

उन्होंने बताया कि गंगापुर सिटी सहित विभिन्न रेलखंडों पर क्रैक ट्रेनों का संचालन किया गया, जिससे 973 क्रू सेट की बचत हुई। मालगाड़ियों की गति बढ़ने से उद्योगों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और किसानों को समय पर माल उपलब्ध हो सकेगा।

कोटा मंडल की यह पहल भारतीय रेल के माल परिवहन को अधिक तेज, कुशल और ग्राहक-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

स्वात्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक फरजाना बानो, अरमान प्रिन्टर्स चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज) 322702 से मुद्रित व चौथ का बरवाडा, जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322702 से प्रकाशित, कार्यालय- चतुर्भुज मन्दिर के पास चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर (राज.) 322702 मोबाईल नं. 8209536639